

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality	H. B. No.	Area in Acres	Rect. No.	Remarks
Gurgaon	Gurgaon	Budhera	43	0.87	108	
RD 0 to 290						
Width of Proposed Road :-		Karam			16, 25	
		5			119	
					2/2, 2/3, 2/4, 2/16, 2/17, 2/18, 2/36, 2/37, 2/38, 3/11, 3/24, 3/25, 3/26, 4/1 4/2, 8, 9/3, 26, 154, 160, 177, 188, 189, 190, 191, 287/1, 408, 413, 413/1	
Total				0.87		

(Sd.) . . .

Suprintending Engineer,
Gurgaon Circle, P.W.D., B & R Br.,
Gurgaon.

DEVELOPMENT AND PANCHAYATS DEPARTMENT

The 20th March, 1985

No. 230-IECDI-85/2406.—The Governor of Haryana is pleased to declare the posts of Block Development and Panchayat Officers in the scale of Rs. 750—30—900/40—1,00—50—1,450 as Gazetted Class-II (Group-B) with immediate effect.

2. The Governor of Haryana, is further pleased to order that no demand from them for the enhancement of their pay scale shall be entertained within the years of the issue of this notification.

3. This issues with the concurrence of the F. D.,—vide their U. O. No. 1,5/7/84-3 F. R. I. dated 10th January, 1985, and C. S.,—vide their U. O. No. 16/7/84-2GSI, dated 15th June, 1984.

Chandigarh, dated the 12th
February, 1985.

S. K. SHARMA,
Commissioner, and Secretary to Government, Haryana,
Development and Panchayats Departments

अम विभाग

आदेश

दिनांक 18 फरवरी, 1985

सं० ओ० वि०/फरीदाबाद/121-84/6116.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैसर्स एस० जी० स्टील प्रा० लि०, प्लॉट नं० 6, सेक्टर 4, बल्लबगढ़, के श्रमिक श्री नोबे लाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-अम88/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-अम88-अम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के प्रयोग गठित अम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त, या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :-

क्या श्री नोबे लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?